हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, मंगलवार, 15 जुलाई 2025

11 भाजपाइयों ने दी मनोनीत पार्षदों को बधाई

12 अवैध कॉलोनी में कौन डाल रहा सीवर लाइन

खबर संक्षेप

वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव लुहारी में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान लुहारी गांव निवासी करीब अस्सी वर्षीया संतरा देवी पत्नी हरद्वारीलाल के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संतरा देवी के दो पुत्र हैं। बड़ा बेटा जहां गांव में ही रहता है वहीं छोटा बेटा गांव की फिरनी पर बने मकान में रहता है। संतरा देवी कभी एक बेटे के पास तो कभी दूसरे बेटे के पास रहने के लिए आती-जाती रहती थी। सोमवार की सुबह मृतका के पुत्र मदन के पास जब उसके छोटे भाई का फोन आया और उसने मां को घर भेजने की बात कही तो मदन ने बताया कि मां तो रविवार की शाम को ही उसके यहां से चली गई थी। ऐसे में जब संतरा देवी की तलाश की गई तो उसका शव लुहारी गांव के रास्ते पर ही पड़ा मिला। इसके बाद हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया।

छत से गिरकर फैक्ट्री कर्मी की मौत

बहादुरगढ़। लाइनपार के छोटूराम नगर में छत से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस मामले में आगामी कार्रवाई करेगी। मृतक की पहचान करीब 47 वर्षीय राजेश कुमार के रूप में हुई है। राजेश करनाल से था और यहां छोटूराम नगर में रहता था। एक जूता कंपनी में प्रिंटिंग का काम करता था। जानकारी के अनुसार, रविवार की रात को वह मकान की छत पर सोया था। सोमवार की सुबह वह नीचे गली में गिरा हुआ मिला। उसके सिर में गंभीर चोट थी। किसी ने देखा तो सांस थम चुकी थी।

मुनाफा कमाने का झांसा देकर 35 लाख ठगे

झज्जर। क्षेत्र के गांव गौधड़ी में एक युवक के साथ डिमेट अकाउंट खुलवा कर साइबर ठगों द्वारा करीब पैंतीस लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित युवा ने बताया कि उसके व्हाट्सअप पर एक ग्रुप द्वारा डिमेट अकाउंट खोलने व स्टॉक खरीदने पर पांच प्रतिशत का मुनाफा के मैसेज आए। युवक के अनुसार उसने दो माह तक ग्रुप का निरीक्षण किया। उसके बाद उसने एक लिंक के माध्यम से अपने आवश्यक दस्तावेज तथा डिटेल भेज कर डिमेट अकाउंट ओपन करा लिया। ग्रुप में चार सदस्य थे जिन्होंने अलग-अलग अकाउंट नंबर देकर उनमें रुपये डालने की बात कही। रुपये डाल कर जब पीड़ित युवक ने रिफंड के संबंध में पूछा तो साइबर ठगों ने उसे टैक्स भरने के लिए बोला। इसके बाद उसने टैक्स के रूप में 2 लाख 41 हजार 697 रुपये दिए। पीड़ित के अनुसार इसके बाद उनकी डिमांड बढ़ती गई और उसे मुनाफा कमाने के झांसे में लेकर उससे पैंतीस लाख रुपये अलग-अलग अकाउंट नंबरों में ट्रांसफर करा लिए।

छारा चुंगी क्षेत्र से श्रमिक लापता

झज्जर। शहर के छारा चुंगी क्षेत्र से एक प्रवासी पिछले नौ दिनों से लापता है। मूल रूप से सदानंद कठोरा, जहांगीर टोला खड़गिया बिहार के रहने वाले प्रवासी मजदूर जितेंद्र शाह ने बताया कि वह पिछले करीब पन्द्रह वर्षों से इस क्षेत्र में रहकर दिहाड़ी मजदूरी का कार्य करता है। उसका भाई नरेश शाह भी करीब एक माह पहले यहां रोजगार की तलाश में आया था। अब उसका सुराग नहीं लग रहा।

एक्शन में नप : 85556 संपत्तियों पर सवा 204 करोड़ टैक्स बकाया

फाइनल नोटिस देने की तैयारी में परिषद इसके बाद शुरू करेगी सीलिंग की कार्रवाई

240 बड़े संपत्ति मालिकों पर 46.24 करोड़ बकाया, निदेशालय के स्तर पर सभी को ईमेल और एसएमएस के माध्यम से दी जा रही जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

विकास कार्यों के लिए फंड्स का अभाव झेल रही नगर परिषद ने अब अपनी आय बढ़ाने के लिए बकायेदारों से रिकवरी के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है। इसके तहत सभी साढ़े 85 हजार संपत्ति मालिकों को बिल अथवा नोटिस भिजवाए जा चुके हैं। अब नगर परिषद द्वारा फाइनल नोटिस भेजे जा रहे हैं, इसके बाद भी वसूली नहीं हुई तो सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि बहादुरगढ़ नगर परिषद में 85 हजार 556 प्रॉपर्टी आईडी पंजीकृत हैं। इन सभी संपत्ति मालिकों पर प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में नगर परिषद का करीब 204 करोड़ 26 लाख रुपये बकाया है।

1.27 करोड़ वसूले

हालांकि एक अप्रैल से 13 जुलाई तक नगर परिषद द्वारा इसमें से एक करोड़ 27 लाख रुपये रिकवर किए जा चुके हैं। नगर परिषद के सचिव प्रवीण छिकारा के अनुसार शहर में 240 ऐसे बड़े संपत्ति मालिक हैं, जिनसे 46.24 करोड़ रुपये वसूले जाने हैं। उन्होंने बताया कि निदेशालय के स्तर पर सभी संपत्ति मालिकों को ईमेल और एसएमएस के माध्यम से बिल की जानकारी दी जा रही है। बिल असैसमेंट में कोई त्रुटी हो या पहले प्रॉपर्टी टैक्स भर चुके लोग इसे ठीक करवा सकते हैं।

■ कार्यकारी अधिकारी अरुण नांदल ने बताया कि नगर परिषद ने करीब 6 महीने पहले एक लाख रुपये से ज्यादा के बकाएदारों को संपत्ति कर जमा करवाने के लिए नोटिस दिए थे

बहादुरगढ़। प्रॉपर्टी टैक्स रिकवरी को लेकर चर्चा करते ईओ, सचिव व अन्य।

हरियाणा म्यूनिसिपल एक्ट 1973 के प्रावधानों के तहत होगी कार्रवाई

कार्यकारी अधिकारी अरुण नांदल ने बताया कि नगर परिषद ने करीब 6 महीने पहले एक लाख रुपए से ज्यादा के बकाएदारों को संपत्ति कर जमा करवाने के लिए नोटिस दिए थे। अन्य सभी संपत्ति मालिकों को भी बकाया बिल की सूचना भेजी जा चुकी है। प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया नही भरे जाने पर हरियाणा म्यूनिसिपल एक्ट 1973 के प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई भी की जाएगी। फाइनल नोटिस तैयार किए जा रहे हैं, इसके बाद भी भुगतान नहीं हुआ तो सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

नगर परिषद की छत से आधा दर्जन से अधिक एसी के तार व पाइप काटे

बहादुरगढ़। चोरी के बाद एयर कंडिशनरों की मरम्मत करता कर्मचारी।

बहादुरगढ़। शहर में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि पुलिस थाने के बिल्कुल साथ सटे नगर परिषद कार्यालय तक को भी नहीं बख्शा। चोरों ने परिषद कार्यालय की छत पर लगे आधा दर्जन एयर कंडिशनर के आउटर से तांबे के पाइप और वायरिंग काट ली। यही नहीं, चोरों ने चेयरपर्सन के रेस्ट रूम और कार्यालय गेट के साथ स्थित एक निजी आर्किटेक्ट ऑफिस के एसी के आउटर को भी निशाना बनाया है। जानकारी के अनुसार, चोरी की यह वारदात 11 जुलाई की रात की है, हालांकि इसकी अब तक कोई औपचारिक शिकायत पुलिस में दर्ज नहीं करवाई गई है। चोरी का मामला तब सामने आया जब आर्किटेक्ट ऑफिस संचालक संदीप ने एसी ऑन किया, लेकिन वह नहीं चला। जब वह छत पर पहुंचे तो देखा कि एसी की वायरिंग कटी हुई थी।

पुलिस थाने के पास चोरी से हड़कंप

मैकेनिक को बुलाकर जांच कराई गई तो पता चला कि वायरिंग कटने से कंप्रेशर में भी फॉल्ट आ गया है, जिससे हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। बताते हैं कि नगर परिषद के लेखा विभाग, जन्म मृत्यु पंजीकरण, एनयूएलएम ब्रांच, चेयरमैन रेस्ट रूम और एमई ऑफिस में लगे एसी की वायरिंग और पाइप चोर काट ले गए हैं। नगर परिषद में इलेक्ट्रिशियन पवन ने बताया कि जब उन्हें चोरी का पता चला तो उन्होंने तुरंत अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इस दफा छह नगर परिषद और एक आर्किटेक्ट आफिस के यानी कुल एसी की वायर, पाइप आदि को नुकसान पहुंचाया गया है। इससे पहले अप्रैल में नप के तीन एसी के आउटर की वायर को निशाना बनाया गया था। उधर, शहरवासियों ने पुलिस थाने के पास घटना को लेकर गहरी चिंता जताई है।

जिले में सीईटी के लिए 39 केंद्र प्रस्तावित 11 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

झज्जर। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रदेश के विभागों, बोर्डों, निगमों और विश्वविद्यालयों में ग्रुप सी के पदों को भरने के लिए 26 व 27 जुलाई को प्रस्तावित सीईटी का आयोजन कराया जाएगा। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने सोमवार को सीईटी की तैयारियों के मद्देनजर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा में झज्जर और बहादुरगढ़ में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। संबंधित अधिकारी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं व इंतजाम सुनिश्चित करें ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न आए।

झज्जर। सीईटी परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते उपायुक्त।

उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा के लिए जिले में 39 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित हैं। जिन पर लगभग 11 हजार 520 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा प्रातः कालीन व सायंकालीन दो सत्रों में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि वह सभी परीक्षा केंद्रों का फिजिकल वेरिफिकेशन करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया : सावन के पहले सोमवार को शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लगभग हर शिव मंदिर में भक्तों की कतार लगी थी। परनाला रोड स्थित वेदांत आश्रम, सेक्टर-2 स्थित राज-राजेश्वरी मंदिर, जटवाड़ा मोहल्ला स्थित तीन शक्ति मंदिर, मेन बाजार के मुरली मनोहर मंदिर, महावीर मंदिर, अनाज मंडी के सनातन धर्म मंदिर, नेहरू पार्क के शिव मंदिर, प्राचीन शक्तिपीठ देवी मंदिर और सैनीपुरा के शिव मंदिर समेत शहर व देहात के तमाम मंदिरों में सावन के पहले सोमवार को काफी संख्या में शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया।

23 को मनाई जाएगी शिवरात्रि

बहादुरगढ़। सावन माह के पहले सोमवार को शिवालयों में शिवभक्तों की खूब भीड़ रही। इस बार शिवरात्रि पर्व 23 जुलाई को है। ऐसे में हरिद्वार, गोमुख-गंगोत्री से कांवड़ लाने वाले भक्तों का रुख तेज हो गया। सावन के पहले सोमवार को शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं, बुजुर्गों व महिलाओं ने शिवालयों व मंदिरों में जलाभिषेक कियादरअसल, इस बार सावन महीने की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर होगी और यह तिथि 24 जुलाई को सुबह 2 बजकर 28 मिनट तक रहेगी। चूंकि 23 जुलाई को ही निशिता काल और चतुर्दशी तिथि का मेल हो रहा है, इसलिए सावन की शिवरात्रि 23 जुलाई को ही मनाई जाएगी।

शिविर में नव पदोन्नत प्राचार्य सीख रहे निपुण पाठ

झज्जर। विद्यालय शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान माछरौली में नव पदोन्नत प्राचार्यों के लिए बारह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रशिक्षण के सातवें दिन जिला निपुण समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया द्वारा निपुण मिशन पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने निपुण मिशन के अंतर्गत चल रही शिक्षक गाइड, वर्क बुक, अकादमिक प्लानर, कक्षा-वार निपुण लक्ष्य, मोनिटरिंग, मेंटरिंग तथा निपुण अभियान में प्राचार्यों की भूमिका और जिम्मेदारियों की जानकारी दी।

एमआईई में बंद फैक्ट्री को चोरों ने बनाया निशाना

बहादुरगढ़। इलाके में चोरी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अब एमआईई स्थित एक बंद फैक्ट्री को निशाना बनाया गया। फैक्ट्री से सिलाई मशीन, पानी की मोटर सहित काफी सामान पर हाथ साफ किया गया है। एमआईई चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के निवासी सुनील का कहना है कि एमआईई पार्ट ए में उनकी फैक्ट्री है। पिछले कुछ समय से फैक्ट्री बंद है। अभी उसमें चौकीदार की व्यवस्था भी नहीं है। रविवार को जब वह फैक्ट्री में आए तो अंदर सब कुछ अस्त व्यस्त था। जांच करने पर पुराने लोहे के सामान, सिलाई मशीन, जेट पंप, पानी की मोटर व अलमारी से पांच हजार रुपये की नकदी नहीं मिली। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

घटते लिंगानुपात पर सरकार गंभीर

प्राइवेट क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग के छापे

बहादुरगढ़। क्लीनिक पर जांच करने पहुंची टीम।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

घटते लिंगानुपात पर सरकार गंभीर है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्भपात करने वाले गिरोह पर शिकंजा कसा जा रहा है। निजी क्लीनिकों पर भी निगरानी और जांच की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के स्थानीय अधिकारियों की टीम ने बहादुरगढ़ में सात निजी क्लीनिकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्लीनिकों पर दवा, रिकार्ड आदि चेक किया गया। साथ ही ये कड़ी चेतावनी भी दी गई कि अगर कोई गर्भपात आदि गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी सिविल सर्जन (पीएनडीटी) डॉ. उरेंद्र सिंह की अगुवाई वाली टीम ने यह कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग, सीएमओ झज्जर डॉ. जयमाला के आदेश पर बीएएमएस क्लीनिकों का निरीक्षण किया है। इसका उद्देश्य यही है कि कोई भी डॉक्टर या क्लीनिक एमटीपी और पीएनडीटी एक्ट का उल्लंघन न करें। यह केवल सामान्य निरीक्षण था और जांच के दौरान अब तक कहीं भी कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। दरअसल, विभाग को सूचना है कि हरियाणा व आसपास गर्भपात कराने वाले गिरोह सक्रिय हैं। इन गिरोह को खत्म करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। शिकंजा कसने के लिए छापेमारी की जा रही है ताकि हरियाणा में लिंगानुपात को सुधारा जा सके।

झोला छाप डॉक्टरों पर कसा जाएगा शिकंजा

इसके अलावा झोला छाप डॉक्टरों पर भी शिकंजा कसा जाएगा। क्लीनिक संचालकों को यही हिदायत है कि नियमों का पालन करें और लिंगानुपात सुधारने में सहयोगी बनें। इसके अलावा आम नागरिकों से भी अपील है कि गर्भपात या इससे संबंधित उन्हें कुछ सूचना मिले तो विभाग को सूचित करें। एमओ डॉ. दीपक शर्मा, एएमओ डॉ. अभिजीत त्रिपाठी, विनोद कुमार आदि टीम में शामिल थे।

कांवडियों की सुरक्षा के लिए दस मार्ग चिन्हित पीसीआर और राइडर्स की रहेगी नियमित गश्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

जिले में कांवड़ियों की सुरक्षा और कांवड यात्रा को सफल बनाने के लिए जिला पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हे। जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि जिले के सभी पुलिस अधिकारियों, थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए है कि जिले में जिन मार्गों पर कांवड लेकर श्रद्धालु गुजरेंगे उन सड़क मार्गों पर पुलिस द्वारा गश्त की जाएगी।

भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जहां भी जरूरत होगी कांवड़ियों को पैदल चलने के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध करवाने के लिए वैकल्पिक प्रबंध किए गए है। कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर लगातार 24 घंटे पुलिस तैनात रहेगी ताकि कोई भी असामाजिक अथवा शरारती तत्व कांवड़ियों के वेष में किसी तरह से शांति भंग करने का प्रयास ना करें। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से जिन मार्गों पर कांवड़ियों की ज्यादा संख्या में चलने की संभावना है। उन मार्गों को चिन्हित करके विशेष निगरानी रखी जाएगी। जिले में ऐसे दस मार्ग चिन्हित किए गए हैं।

ये मार्ग किए निर्धारित

- सांपला से रेवाड़ी रोड वाया छारा, जौंधी, झज्जर, सुबाना से कोसली
- झज्जर से रेवाड़ी वाया माछरौली, कुलाना
- रोहतक से डीघल, बेरी, छुछकवास, सासरौली
- रोहतक से झज्जर वाया डीघल, महराना चौक ढुजाना
- सोहटी बार्डर से बहादुरगढ़ वाया कानौंदा, कुलासी
- रोहतक से बेरी वाया रिटोली कबूलपुर
- सांपला से बेरी वाया बहराना, डीघल
- झज्जर वाया ढुल्हेड़ा, कबलाना
- सोनीपत से केएमपी होते हुए जिला गुरुग्राम
- बहादुरगढ़ से बादली वाया गुभाना माजरी आदि प्रमुख

कांवड़ शिविर में लगाने होंगे सीसीटीवी : पुलिस आयुक्त

जिला पुलिस आयुक्त ने बताया कि जिन सड़क मार्गों से कांवड़ लेकर श्रद्धालु गुजरेंगे उन रास्तों पर पुलिस द्वारा निरंतर गश्त करते हुए प्रत्येक गतिविधि पर निगाह रखी जाए। पीसीआर व राइडर्स की गश्त लगातार 24 घंटे तैनात रहेगी। महिला कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा को मद्देनजर पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस कर्मचारियों को भी तैनात किया गया है। किसी भी कांवड़ यात्री को किसी भी तरह का नाजायज हथियार नहीं रखने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांवड़ सेवा शिविर के लिए अनुमति लेना अत्यंत आवश्यक है। कांवड़ सेवा शिविर मुख्य सड़क से कम से कम 50 फीट की निर्धारित दूरी पर लगाया जाए। जहां तक हो सके शिविरों में सीसीटीवी की व्यवस्था करवाई जाए। उन्होंने कहा कि संचालकों द्वारा एक रजिस्टर रखा जाए। जिसमें शिविर में आने वाले प्रत्येक कांवड़ यात्री की जानकारी का इंद्राज किया जाए।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
सहेली
रोहतक, मंगलवार
15 जुलाई 2025

सावन विशेष

लोकरंग में बसा सावन

आ गया सुहाना सावन, मन को मोहने वाला सावन। सावन में रिमझिम बारिश और चहुंओर फैली हरियाली के बीच मन मयूर बनकर थिरक उठता है। एक नहीं अनेक रंग हैं सावन के। सावन की सिर्फ प्राकृतिक ही नहीं, धार्मिक महत्ता भी है। सावन में हम शिवजी की आराधना करते हैं। संपूर्ण परिवार के लिए मंगल कामना करते हैं।

आवरण कथा
अलका 'सोनी'

सावन शुरू होने का अर्थ है-गर्मी की भीषण तपन के बाद बारिश की शीतल फुहारों से राहत, चारों ओर बिखरी मनोहारी हरियाली, पक्षियों की चहचहाहट। कहते हैं, सावन में संसार के पालन का दायित्व भगवान शिव को सौंप दिया जाता है। उन्हें यह दायित्व सौंप कर श्रीविष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इस तरह सावन का एक धार्मिक महत्व भी है।

सावन में शिव उपासना का विशेष महत्व

सावन में शिव की आराधना होती है, इसका विशेष महत्व है, क्योंकि मां पार्वती ने भगवान शिव को वर रूप में पाने के लिए सावन माह में निराहार रहकर कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें मनचाहा वरदान दिया। इसलिए सावन के महीने में शिव भक्त व्रत रहकर, अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए सोमवार को शिवजी पर जलाभिषेक करते हैं। सुहागिनें भी सावन के महीने में हरी चूड़ियां, हरी साड़ी पहन कर शिवजी की पूजा करती हैं। अपनी संतान, घर-परिवार और अपने सुहाग के कल्याण के लिए वरदान मांगती हैं। इस तरह बारहों महीने में सावन का विशेष महत्व है।

हर्षोल्लास का माहौल

सावन के आते ही प्रकृति ही नहीं वरन जीवन हरा-भरा हो उठता है। बागों में झूले पड़ जाते हैं। महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, सोलह श्रंगार करके अपनी साखियों के साथ झूला-झूलती हैं। साथ ही रिमझिम फुहारों का भी आनंद लेती हैं। माहौल बहुत ही हर्षोल्लासमय हो जाता है।

सावन के झूले

सावन में जगह-जगह पेड़ों पर झूले पड़ते हैं। झूला झूल कर मन प्रफुल्लित-उमंगित हो उठता है। किसी भी वजह से अगर आपको तनाव है तो झूला झूलना आपके लिए बेहतर उपक्रम है। झूला झूलने से बॉडी में हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं, जो मन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, हमें तनाव से उबारते हैं।

दंपती भरते हैं प्यार की पेंगे

सावन में प्रिय से मिलन और उनके साथ झूला झूलने की भी रीति है। सावन माह में रिमझिम बारिश के बीच पेड़ों पर डले झूलों की पेंगें दंपती के बीच प्रेम बढ़ाती हैं। झूलों की पेंगें पति-पत्नी को एक अलग ही खुशनुमा एहसास देती हैं। झूले पर बैठी पत्नी यही चाहती है कि उसका पति उसे झुलाए और दोनों ही सावन का भरपूर आनंद लें।

सावन में कजरी की मधुरता

सावन आते ही लोकगीत कजरी की बहार आ जाती है। शहर में विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के आयोजन से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में धान रोपती महिलाएं और झूलों पर पेंगें भरती युवतियां कजरी गाती हैं- *'हिंडलवा लागल हइ कदमवा भौजी/ चलहु झूले न पियवा सावन में विदेशवा ननदो, हिंडोलवा भावे न आवइ पानी के छिटकवा भौजी।'* आदि गीतों से ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ अलग ही छटा बिखरती है। कजरी लोकगीत ही ऐसा है, जिसे सुनने मात्र से तन-मन रसरंग में भीग उठता है। कजरी गीतों में वर्षा ऋतु के साथ प्रेम का वर्णन भी मिलता है। गायिका स्वाति निरखी कहती हैं, 'कजरी की शुरुआत देवी स्तुति से होती है। विरह वेदना के वर्णन के अलावा श्रंगार कजरी, बारहमासा कजरी, चौमासा कजरी, ननद-भाभी और सास के रिश्ते में छेड़छाड़ को लेकर बनी कजरी भी खूब प्रचलन में है।'

सावन के लोकरंग

सावन हमारे लोक-रंग में रचा-बसा है। इसके आने का इंतजार हम बेसब्री से करते हैं। करें भी क्यों ना, यह हरियाली की सौगात जो लेकर आता है, साथ में लेकर आता है ढेर सारे

त्योहार। इन्हीं दिनों आती है हरियाली तीज, गुड़िया और भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन। इन्हीं दिनों पानी भरे खेतों में रोपाई के लिए जाते कृषक भी दिखते हैं, तो कजरी गाती अल्हड़ युवतियों की सुरीली आवाज एक अलग समां बिखेरती है। हरी-भरी धरती पर बहते पानी में छपक-छपाक करते नटखट बच्चे भी दिखते हैं। इस तरह सावन अपने साथ जीवन के कई रंग लेकर आता है। हमारे भीतर नई ऊर्जा का संचार करता है।

आप सभी को सावन की मंगलकामनाएं...

हाथों में रचती है मेहंदी

सावन के महीने में मेहंदी लगाने की परंपरा है। ऐसा कहा जाता है कि महिला के हाथों पर मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है, उतना ही पति का प्यार उसे मिलता है। मेहंदी लगाने से न केवल हाथ खूबसूरत लगते हैं, यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। मेहंदी की महक और रंग इंसान के तनाव को कम करते हैं। मेहंदी की तासीर ठंडी होती है। भीषण गर्मी के बाद सावन के महीने में मेहंदी लगाने से शरीर को शीतलता मिलती है।

रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है संवाद

रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है संवाद रिश्ता कोई भी हो, आपस में संवाद बहुत जरूरी है। इससे कभी कोई लतफहमी या मनमुटाव नहीं होता। आपसी संवाद से दूरी बढ़ जाती है। निरंतर संवाद से रिश्ते मधुर ही नहीं होते, मजबूत भी होते हैं।

सलाह
विजय सिंह चौहान

जहां रिश्तों की बुनियाद प्रेम-स्नेह पर टिकी होती है, वहीं इसे मजबूती और स्थायित्व आपसी संवाद देते हैं। संवाद वह अदृश्य डोर है, जो हमें आपस में बांधे रखती है, दूरियां नहीं बनने देती। जब आपस में संवाद नहीं रहता तो गलतफहमियां जन्म लेने लगती हैं, दूरियां बनने लगती हैं। रिश्तों की नींव दरकने लगती है।

फैलता आभासी दुनिया का संजाल

आज के दौर में हमने तकनीक से भले ही नजदीकियां बनाई हैं, लेकिन सिर्फ इसी माध्यम से प्रेमपूर्वक रिश्तों में बंधे रहना मुश्किल है। आभासी दुनिया के इस संजाल से भले हम पूरी दुनिया से जुड़ रहे हों, लेकिन अपनों से कटते जा रहे हैं। एक ही घर में रहने वाले सदस्य अपने-अपने कमरों में बंद मोबाइल और लैपटॉप में उलझे रहते हैं। हंसी-ठहाके, शिकवे-शिकायतें, सवाल-जवाब, सुझाव और सलाह परिवारों में अब कम दिखती है। परिवार में आपसी संवाद अब मौन हो गए हैं।

संवादों के अभाव में बन जाती हैं दूरियां

'कैसे हो?' यह आमने-सामने बैठकर पूछने के बजाय लोग व्हाट्सएप पर पूछ रहे हैं। मिलकर बैठकर बात करना, समय की बर्बादी समझा जाता है। हमें यह समझना चाहिए कि रिश्तों में दूरियां तब आती हैं, जब आपस में बातचीत ना हो। अकसर देखा गया है कि किसी से मनमुटाव का कोई बड़ा कारण नहीं होता, बस कोई छोटी सी बात होती है, लेकिन हम चुप्पी साधे रहते हैं और फिर संवादों के अभाव में दूरियां बन जाती हैं। चुप्पी संबंधों को भीतर ही भीतर खोखला कर देती है। अंततः संबंध बिखर जाते हैं, जबकि संवादों के माध्यम से संबंध सहेजे जा सकते थे।

संवाद कायम करते हैं भरोसा

कहते हैं, संवाद केवल शब्द नहीं, भरोसे की भाषा होते हैं। इसमें सिर्फ बोलना ही नहीं, सुनना और समझना भी शामिल होता है। जब हम किसी की बातें ध्यान से सुनते हैं, जरूरत के मुताबिक सही सलाह देकर उसका संबल बनते हैं तो दो दिलों के बीच भरोसे का एक गहरा रिश्ता बनता है।

अकसर जब रिश्तों में मनमुटाव आता है, हम सोचते हैं, 'हर बार पहल मैं ही क्यों करूं?' या 'उसे जरूरत होगी तो वह खुद संपर्क करेगा।' यह सोच धीरे-धीरे रिश्तों को बिखेर देती है। कभी-कभी बिखरे मोती समेटने के लिए झुकना पड़ता है। रिश्तों में झुकना कमजोरी नहीं, एक बड़प्पन है। एक छोटा-सा संवाद 'कैसे हो?' किसी के सूने मन को झंकृत कर सकता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, रिश्तों में सहज संवाद को स्थान दें। इसलिए कभी-कभी अपनों के लिए फोन उठाइए और बिना किसी औपचारिकता के बात करें। उससे बात करने के लिए घर भी पहुंच जाएं। अपने घर में भी भोजन करते समय मोबाइल और टीवी से दूरी बनाकर रखें, अपने परिवार के साथ दिनभर की बातें साझा करें, पति/पत्नी के मन की सुनिए, बच्चों की जिज्ञासाओं पर ध्यान दें ताकि वे अपने मन की बातें आपके सामने खुलकर करें। आप भी उनको आवश्यतानुसार अपना मार्गदर्शन दे सकें। इस तरह के प्रयास और दिल से बोले संवाद रिश्तों को हमेशा मधुर बनाए रखते हैं। तो अपनों से संवाद बनाए रखें, रिश्ते सहेज कर रखें।

वास्तु सलाह
अनीता जैन, वास्तुविद

अगर वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए और उसके अनुसार घर की सजवाट की जाए तो समृद्धि और सकारात्मकता बनी रहती है। इसके लिए किन उपायों पर अमल करना चाहिए, बता रहे हैं आपको।

घर की सजावट में वास्तु संतुलन बनी रहेगी सकारात्मक ऊर्जा

वास्तु शास्त्र केवल घर-ऑफिस बनवाते समय दिशाओं के निर्धारण या निर्माण तकनीकों तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह हमारे जीवन के अनेक पहलुओं को प्रभावित करने वाली ऊर्जा का विज्ञान भी है। घर में रखी प्रत्येक वस्तु, चाहे वह सजावटी सामान हो, फर्नीचर हो या घरेलू उपकरण, हमारे अवचेतन मन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि इनका स्थान और चयन वास्तु सिद्धांतों के अनुरूप हो, तो जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और उत्साह बना रहता है। आइए जानें कि इंटीरियर डेकोरेशन के माध्यम से किस प्रकार हम अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रख सकते हैं।

प्रवेश द्वार हो ऐसा: घर के प्रवेश द्वार को वास्तु में अत्यंत शक्तिशाली क्षेत्र माना जाता है। यह न केवल आगंतुकों और मेहमानों पर अच्छा प्रभाव छोड़ता है, बल्कि यहीं से घर के भीतर ऊर्जा का प्रवाह आरंभ होता है। इसलिए इस क्षेत्र को सदैव स्वच्छ रखें और यहां शुभ प्रतीक जैसे

स्वास्तिक, ॐ, कलश, घंटी, शंख, मछलियों का जोड़ा या आशीर्वाद मुद्रा में गणेश जी की तस्वीर लगाना शुभ माना गया है। फूलों का तोरण, विशेष तौर पर ताजे या कृत्रिम साफ-सुथरे फूलों से बना, द्वार को आकर्षक और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाता है।

सजावट में शुभता-सौम्यता: घर की दीवारों पर लगाई गई तस्वीरें या शोपीस हमारे मनोभावों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। युद्ध, खंडहर, सूखे पेड़ या हिंसक जानवरों की छवियां घर में अशांति ला सकती हैं। इसके विपरीत दौड़ते हुए घोड़े की तस्वीर (पूर्व या उत्तर-पश्चिम में), हाथी (उत्तर या दक्षिण में) और गाय की तस्वीरें (पूर्व या दक्षिण-पूर्व में) सकारात्मक ऊर्जा, यश और शांति को आमंत्रित करती हैं।

पौधों से आती है ताजगी-समृद्धि: ड्रॉइंग रूम में उत्तर या पूर्व दिशा में मनीप्लांट, बैंबू बंच या छोटे इंडोर पौधे लगाने से वातावरण में ताजगी और घर में समृद्धि बनी रहती है। इस स्थान पर सूखे, कांटेदार या बोंसाई पौधों को लगाने से बचना चाहिए क्योंकि ये अवरोधक ऊर्जा का प्रतीक होते हैं। घर की उत्तर दिशा में लहलहाते खेत या जंगल का चित्र कार्य में सफलता और धन वृद्धि लाने में सहायक होता है।

देवस्थान और प्रकाश का संतुलन: उत्तर-पूर्व दिशा को पूजा, ध्यान और प्रार्थना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। बेहतर होगा इस स्थान पर अपने ईष्टदेव की तस्वीर या प्रतिमा लगाएं। दिवंगत परिजनों की फोटो दक्षिण-पश्चिम में और गुरु की तस्वीर पश्चिम दिशा में लगाने से आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह होता है। घर में प्रकाश की व्यवस्था भी संतुलित होनी चाहिए। रोशनी की सही मात्रा, घर में ऊर्जा को संतुलित करती है।

इन उपायों से घर बनेगा ऊर्जावान

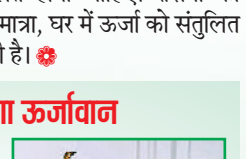

- बेडरूम में दो हंसों या लव बर्ड्स का शोपीस या राधा-कृष्ण की तस्वीर उत्तर दिशा में लगाएं।
- रसोई में गैस स्टोव दक्षिण-पूर्व और पानी का कलश उत्तर-पूर्व दिशा में रखें।
- ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाकर नियमित जल अर्पण करें और दीपक जलाएं।
- उत्तर, ईशान और पूर्व दिशा में हल्के सामान जबकि दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा में भारी फर्नीचर रखें। परदों के रंग भी दिशाओं के अनुसार तय करें।

केयर
डॉ. सरोज राय, डर्मेटोलॉजिस्ट

तब बारिश में नहीं होगी स्किन-हेयर प्रॉब्लम

बहुत सी महिलाएं रेनी सीजन में फेस पर होने वाले पिंपल्स और पिगमेंटेशन से परेशान हो जाती हैं तो कई महिलाओं को हेयर फॉल का भी सामना करना पड़ता है। इन दोनों सीजलन प्रॉब्लम्स से राहत पाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

न छोड़ें सनस्क्रीन लगाना: कई महिलाएं सोचती हैं कि सनस्क्रीन केवल तेज धूप के दिनों में ही लगानी चाहिए। सच्चाई तो यह है कि जब आसमान में बादल छाए रहते हैं, यानी बरसात के दिनों में भी सूरज की अल्ट्रा वॉयलेट किरणें (यूवी रेज) नुकसानदेह साबित होती हैं। मौसम चाहे जो भी हो, कम से कम 30 एसपीएफ का सनस्क्रीन आपको अपनी स्किन पर जरूर लगानी चाहिए।

करें स्कैल्प की सफाई: पसीने और वातावरण में मौजूद नमी के कारण सिर की त्वचा में इंफेक्शन या डेंड्रफ की प्रॉब्लम हो सकती है। इनसे बचने के लिए बारिश के दिनों में नियमित तौर पर किसी माइल्ड शैंपू से बालों को साफ करें। बारिश में भीग जाएं तब भी बालों को साफ कर पॉल्यूटेंट्स और बारिश का पानी हटा लें। सिर की त्वचा यानी स्कैल्प को साफ रखना फंगल इंफेक्शन और दूसरी समस्याओं से बचाव करता है।

क्रीम-ऑयली प्रोडक्ट का यूज: हैवी गाढ़ी क्रीम और ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल मानसून के नमी वाले मौसम में त्वचा के पोर्स को बंद कर सकता है। इनकी जगह लाइट वेट क्रीम नॉन कॉमेडोजेनिक मॉयश्चराइजर और सीरम का उपयोग किया जाना चाहिए, जो त्वचा को बिना चिपचिपा किए नमीयुक्त रखता है।

ना हो हाइड्रेशन की कमी: हालांकि इस मौसम में वातावरण में अधिक नमी महसूस होती है, लेकिन आपकी त्वचा को अंदर से बाहर तक हाइड्रेटेड रखना भी जरूरी होता है। इसके लिए सुनिश्चित करें कि आप इस मौसम में भी पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और अपने आहार में पानीयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। अपनी त्वचा को पूरे दिन तरोताजा बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फेशियल मिस्ट का उपयोग भी कर सकती हैं।

स्किन रखें ड्राय: बारिश में भीगने के बाद फंगल इंफेक्शन और त्वचा की जलन से बचने के लिए इसे ठीक से सुखाना जरूरी है। खासतौर पर जांघों, अंडर आर्म्स की स्किन को ड्राय रखने पर विशेष ध्यान दें।

अधिक एक्सफोलीएशन से बचें: बेशक स्क्रबर, डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करती है, लेकिन इसके अधिक उपयोग से आपकी त्वचा से आवश्यक तेल निकल सकता है। मानसून के दौरान महीने में एक या दो बार तक ही स्क्रबर का उपयोग करें। इस मौसम में चटपटे व्यंजन अधिक ना खाएं।

प्रस्तुति: चेतना झा

योगोपचार
कौशल किशोर, योगाचार्य

कई महिलाएं और लड़कियां, पीरियड्स के दौरान पेट दर्द, थकान, सिर दर्द या मूड स्विंग से परेशान रहती हैं। इन प्रॉब्लम्स से राहत के लिए आप कुछ योगासनों का अभ्यास कर सकती हैं। यहां कुछ ऐसे ही योगासनों की विधि के बारे में बताया जा रहा है।

पीरियड्स के दौरान उपयोगी हैं ये योगासन

पहले के दौर में ऐसी धारणा थी कि पीरियड्स के दौरान कोई भी वर्कआउट या योगासन नहीं करना चाहिए। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने स्टडी के द्वारा यह सिद्ध कर दिया है कि कुछ योगासन करने से पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याओं से आराम मिल सकता है। हम आपको यहां कुछ ऐसे ही उपयोगी आसनों के बारे में बता रहे हैं।

वज्रासन

शशांक आसन

वज्रासन: सबसे पहले दरी या योगासन मैट बिछा लें। उसके बाद अपने घुटनों को मोड़कर एड़ियों पर बैठ जाएं। दोनों एड़ियों को एक-दूसरे से थोड़ा अलग रखें और अपने दोनों पंजों पर नितंब को टिकाएं। इस दरम्यान पीठ, गर्दन और अपने सिर को सीधा रखें और अपने दोनों हाथों को घुटनों पर रखें। यह ध्यान रखें कि हथेलियां नीचे की ओर रहें। अपनी आंखें बंद करें और धीरे-धीरे सांस लें फिर छोड़ें। फिर 5 से 15 मिनट तक इसी स्थिति में रहें। इससे पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द से राहत मिलेगी।

शशांक आसन: इसके लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठ जाएं। अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और कानों के पास सीधा रखें। धीरे-धीरे अपनी सांस को छोड़ते हुए आगे की ओर झुकाएं और माथा जमीन से लगाएं। अपने हाथ को भी सामने जमीन पर ही रखें। पूरे शरीर को ढीला छोड़ दें और कुछ समय इसी स्थिति में रहें। सांस लेते हुए वापस वज्रासन की स्थिति में आ जाएं।

भ्रामरी प्राणायाम: इसे करने के लिए सुखासन, पद्मासन या वज्रासन में रीढ़ को सीधा करके बैठ जाएं। आंखें बंद कर अपने शरीर को एकदम शांत करें। अपने दोनों हाथों की पहली अंगुली को माथे पर रखें। मध्यमा अंगुलियों से आंखों को बंद करें। अनामिका से नाक के पास गालों को हल्का दबाएं और अंगूठों से दोनों कानों को बंद करें। गहरी सांस लें और सांस को छोड़ते हुए भौंरें जैसी आवाज करें। यह प्रक्रिया 5 से 10 बार दोहराएं।

मेरुवक्रासन: योगा मैट पर सीधा बैठ कर पैर आगे की ओर फैलाएं। अपने बाएं पैर को मोड़कर उसका तलवा दाएं घुटने के पास रखें। दायां हाथ बाएं घुटने के बाहर रखें और बाएं हाथ को पीछे जमीन पर टेक लगा दें। अपनी रीढ़ को सीधा रखते हुए धीरे-धीरे धड़ को बाईं ओर मोड़ें। कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद वापस धीरे से आ जाएं। अब यही प्रक्रिया दूसरी ओर से दोहराएं।

ताड़ासन: ताड़ासन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और अपने दोनों पैरों को एक साथ मिलाएं। अपने हाथों और पीठ को सीधा रखें। सांस लेते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाएं। उस समय हथेलियां आपस में जुड़ी हुई रहनी चाहिए। अब अपनी एड़ियों को उठाकर पंजों के बल खड़े हो जाएं और अपने पूरे शरीर को ताड़ के पेड़ की तरह ऊपर की ओर खींचें। थोड़ी देर इस स्थिति में रहने के बाद सांस छोड़ते हुए वापस आ जाएं।

इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी योगासन करने से पहले अनुभवी प्रशिक्षक से इसे अच्छी तरह सीख लें।

प्रस्तुति: संध्या रानी

खबर संक्षेप

अन्य जिलों के थाने-चौकियों से संपर्क कर रही पुलिस

बहादुरगढ़। हत्या कर माइनर में फेंके गए शव की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। स्थानीय पुलिस अन्य जिलों के थाने, चौकियों से गुमशुदा लोगों का रिकार्ड जुटा रही है। पहचान के बाद ही युवक की हत्या के कारणों का पता चल सकेगा। दरअसल, रविवार की सुबह खरहर से गुजर रही रेवाड़ी खेड़ा माइनर में युवक का शव मिला था। शव चार से पांच दिन पुराना है। गर्दन में कपड़ा बंधा हुआ था। हत्या करके उसे फेंका गया है। युवक कौन है, किसने, किन कारणों से और कैसे उसको मौत के घाट उतारा, यह फिलहाल सवाल बने हुए हैं। तमाम सवालों के जवाब तलाशने के लिए आसौदा पुलिस प्रयास कर रही है। फिलहाल पुलिस की ओर से माइनर के आसपास लगते गांवों में पता लगाया जा रहा है। साथ ही अन्य जिलों के चौकी, थानों से भी गुमशुदा लोगों की डिटेल ली जा रही है। शव को 72 घंटे के लिए नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। जांच अधिकारी आकाश कुमार का कहना है कि पहचान के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। अभी तक कुछ सुराग नहीं लग पाया है।

सड़क सुरक्षा नियमों को लेकर विद्यार्थियों ने बनाएं पोस्टर

विद्यार्थियों ने स्लोगन व पोस्टर के माध्यम से यातायात नियमों की पालना का दिया संदेश

■ जेब्रा क्रॉसिंग का पालन करने जैसे नियमों को सरल शब्दों में समझाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। सड़क सुरक्षा नियमों पर आधारित पोस्टर एवं स्लोगन दिखाते हुए छात्राएं, विद्यार्थियों को शपथ दिलाते शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

संस्कारम स्कूल खातीवास में मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत सोमवार को ट्रैफिक नियम जागरुकता को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाने के लिए स्लोगन राइटिंग व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भागीदारी करते हुए विद्यार्थियों ने स्लोगन व पोस्टर के माध्यम से यातायात नियमों की पालना का संदेश दिया। इसके साथ ही सड़क नियमों का पालन करना, जीवन रक्षक उपकरण और बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा गतिविधियों का अभ्यास भी विद्यार्थियों को कराया गया। संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व आमजन को सड़क पर यात्रा करते समय आवश्यक सावधानियां बरतने बारे जागरुक करना रहा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों की प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा कि ये नियम केवल कानूनी बाध्यता नहीं बल्कि जीवन और परिवार की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, रेड लाइट जम्प न करने और जेब्रा क्रॉसिंग का पालन करने जैसे नियमों को सरल शब्दों में समझाया।

विद्यार्थियों को दिलाई ट्रैफिक नियमों का पालन करने की शपथ

बहादुरगढ़। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कानूनी साक्षरता क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधि के संदर्भ में छात्र और छात्राओं को सड़क सुरक्षा शपथ दिलवाई गई। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना और कानूनी साक्षरता क्लब समय-समय पर स्कूल में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करता हैं। इसके जरिये कानून और सामाजिक मूल्यों को विद्यार्थियों तक पहुंचाना है। सड़क दुर्घटना में सबसे अधिक मृत्यु का शिकार बनने वालों में स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी होते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी राकेश वत्स और कानूनी साक्षरता क्लब के प्रभारी अनिल अहलावत, रितू देशवाल ने विद्यार्थियों से यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर दिनेश भारद्वाज, जलदीप, विजय छिल्लर, संजय मलिक, सुमन दांगी, सुमित्रा, प्रवीण आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। इंस्पेक्टर सतीश कुमार से सवाल करती एक बच्ची।

विद्यार्थियों को दी यातायात नियमों की जानकारी

बहादुरगढ़। पुलिस की ओर से नशे और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के लिए कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में इंस्पेक्टर सतीश कुमार की अगुवाई में सोमवार को श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल, रोहद स्थित जूपिटर स्कूल और आसंडा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम किए गए। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने कहा कि नशा समाज में गंभीर बुराई है। इसकी वजह से अपराध और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। हमें नशे से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में हर रोज सड़क हादसों में कई लोगों की जान चली जाती है। इसकी बड़ी वजह नियमों की अनदेखी है। हमें यातायात नियमों की जानकारी होनी चाहिए। पैदल चलते वक्त भी सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए। इस दौरान विद्यार्थियों ने यातायात के नियमों को लेकर निरीक्षक सतीश कुमार से कुछ सवाल पूछे, जिनका उन्होंने जवाब दिया। इस दौरान बच्चों का ड्राइंग कंपीटिशन भी करवाया गया।

झज्जर। भगवान शिव का जलाभिषेक करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

सावन माह के पहले सोमवार को मंदिरों में गूंजे बम बम भोले के जयघोष

झज्जर। सावन माह के पहले सोमवार को मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शहर के विभिन्न मंदिरों में जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हुए अपने परिवार की सुख स्मृद्धि की कामना की। हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए शिव भक्तों ने नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी मंदिर, खाटू श्याम मंदिर, मां दुर्गा चौरासी घंटे वाले मंदिर, बूढ़ा महादेव मंदिर, श्री राम मंदिर, श्री गोपाल मंदिर, श्री लेखराज मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री प्रेम मंदिर, बाबा कांशीगिरी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक किया। पंडित पवन कौशिक ने मंत्रोच्चारण के साथ जलाभिषेक कराया। भक्तों ने शिवलिंग पर बेल पत्र चढ़ाकर पूजा-अर्चना कर परिवार सुख समृद्धि की कामना की। वहीं महिलाओं ने सावन मास के पहले सोमवार को व्रत रखकर भगवान शिव की पूजा की। मंदिरों में बज रहे शिव भक्ति गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पंडित पवन कौशिक ने कहा कि सावन का महीना, भगवान शिव की भक्ति और आराधना के लिए सबसे पवित्र समय माना जाता है। सावन के सोमवार का विशेष महत्व है, क्योंकि सोमवार और सावन भगवान शिव को समर्पित है। सावन के महीने में सोमवार का व्रत रखने और भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

बीपीआईयू मीटिंग में नींव कार्यक्रम पर किया मंथन

■ बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रोहताश दहिया ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक के दौरान अपनी बात रखते विभागीय कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

सोमवार को ब्लॉक शिक्षा कार्यालय में बीपीआईयू समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रोहताश दहिया ने की। इनके अलावा शिक्षा विभाग के नोडल ऑफिसर रविंद्र कौशिक, जिला प्राथमिक भ्रमण नोडल अधिकारी डॉक्टर जितेंद्र देशवाल, संपर्क फाउंडेशन के नोडल अधिकारी अमित कुमार आदि ने विशेष रूप से शिरकत की। बैठक में मार्च, अप्रैल और मई के सभी हितधारकों के भ्रमण अनुपालन की समीक्षा, जुलाई माह के शत-प्रतिशत भ्रमण लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने तथा जिला स्कोरबोर्ड में सुधार, आओ स्कूल चले कार्यक्रम के अंतर्गत 12 स्कूलों में हुए कार्यों की प्रस्तुति पर चर्चा की गई। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रोहताश दहिया ने मौजूदा शिक्षकों से कहा कि वे दीक्षा ऐप पर दो ऑनलाइन कोर्सेज का संदेश सभी प्राथमिक शिक्षकों तक पहुंचाएं और आगामी बारह अगस्त तक सभी कोर्सेज का अनुपालन सुनिश्चित करें। नींव कार्यक्रम को लेकर भी विस्तृत रूप से चर्चा की गई। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि सभी मेंटर्स सुनिश्चित करें कि सभी प्राथमिक विद्यालयों में पजल कॉर्नर बनाया जाए।

शिविर में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने करवाई अपनी आंखों की जांच

झज्जर। शिविर के दौरान उपस्थित महाविद्यालय स्टॉफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

■ शिविर में महाविद्यालय के विद्यार्थियों प्राध्यापकों तथा अन्य स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की दिशा में पहल करते हुए यूथ रेडक्रॉस क्लब के तत्वावधान में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य दलबीर सिंह ने किया। उन्होंने नेत्र स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश देते हुए ऐसे शिविरों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस नेत्र जांच शिविर का संचालन यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉक्टर ज्योति और अशोक कुमार ने किया।

वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉक्टर खुशबू चौहान, नीरज चावला, लव कुश और भारत की टीम ने नेत्र जांच की और आवश्यक परामर्श भी दिया। शिविर में महाविद्यालय के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों तथा अन्य स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने अपनी आंखों की जांच करवाई और आंखों की देखभाल संबंधी महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल नेत्र रोगों की प्रारंभिक पहचान करना रहा बल्कि विद्यार्थियों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना भी रहा।

भाजपाइयों ने दी मनोनीत पार्षदों को बधाई

बहादुरगढ़। शहर की कबीर बस्ती में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि व विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक ने शिरकत की। दोनों ने लोकगायिका राजबाला को पार्षद मनोनीत होने तथा भाजपा जिला मंत्री नियुक्त होने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवमनोनीत पार्षद शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भाजपा नेता दिनेश कौशिक व जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने मनोनीत पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी के प्रति उनकी समर्पण भावना को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। सीएम नायब सैनी को उनकी कार्यशैली और विकास कार्यों के लिए देश-भर में सराहा जा रहा है। सरकार ने नौकरियों में जातिवाद और भेदभाव को समाप्त किया है। परिवार पहचान पत्र, डिजिटल सेवाएं, बेरोजगारी भत्ता और महिला सशक्तिकरण समेत अनेक योजनाओं का सीधा लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर गुरू संत शिरोमणि स्वदेश कबीर, नव मनोनीत पार्षद भीम सिंह प्रणामी, अमित कौशिक, नरेश भारद्वाज, अमित जून, सोनू मान, पार्षद राजेश, अनिल, पूर्व पार्षद संदीप, धर्म सिंह सिवान, हरीश दलाल व रणबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में दिनेश कौशिक का स्वागत करते आयोजक। फोटो :हरिभूमि

सीएए के तैराकों ने 39 गोल्ड समेत 101 पदक जीते

बहादुरगढ़। राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के तैराकों ने 39 गोल्ड मेडल समेत कुल 101 मेडल जीते हैं। पदक विजेता तैराकों का एकेडमी में जोरदार स्वागत किया गया। हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री, सदस्य सुरेश जून और सीनियर कोच साई जाधव ने सभी विजेता तैराकों को बधाई दी। चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के तैराकों ने 39 गोल्ड मेडल, 27 सिल्वर और 35 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। कोच साई जाधव ने बताया कि हेतिका खत्री ने दो गोल्ड मेडलों के साथ बेस्ट स्वीमर की ट्रॉफी जीती। जयवर्धन ने 4 गोल्ड और तीन कांस्य, अतुल धनखड़ ने 1 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल, नितेश खत्री ने 2 गोल्ड और 2 कांस्य, सक्षम जून ने 1 गोल्ड, प्रियांशी दलाल ने 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 कांस्य पदक, ईरा ने 2 गोल्ड और 2 कांस्य पदक, पूर्वी ने 3 गोल्ड, वीर दलाल ने 5 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 कांस्य और रोहित लाठर ने 7 गोल्ड, 3 कांस्य समेत बैस्ट स्वीमर की ट्रॉफी जीती। अवनि भारद्वाज ने 3 सिल्वर और 1 कांस्य, दक्ष फोगाट ने 5 गोल्ड, 1 सिल्वर, इशांत ने 1 गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 कांस्य, मयंक जून ने 2 गोल्ड और 4 सिल्वर, मयंक तुषीर ने 2 सिल्वर और 2 कांस्य, शोभित गिल ने 3 सिल्वर और 2 कांस्य, दिव्यांशु गुलिया ने 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 कांस्य, अरमान सिंह ने 1 कांस्य, आरव धनखड़ ने 3 कांस्य पदक और अंजलि ने 1 कांस्य पदक जीता। अनिल खत्री ने विजेता तैराकों को बधाई देते हुए कहा कि जल्द एकेडमी में टच पैड और जिम की व्यवस्था भी की जाएगी। इस अवसर पर कोच पदमपाल, विशाल, साहिल, कृष्णमुरारी और हर्ष कौशिक भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। अपने कोच और एचएसए महासचिव अनिल खत्री के साथ विजेता तैराक। फोटो :हरिभूमि

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में 41 स्कूलों और कॉलेजों के कैडेट्स ने भाग लिया

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में एनसीसी कैडेट्स ने जीते 32 मेडल

■ कविता पाठ में प्रियंका और पेंटिंग में प्रिया प्रथम रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन करते हुए दस श्रेणियों में कुल 32 मेडल जीते। आठ हरियाणा बटालियन एनसीसी, रेवाड़ी के तत्वावधान में राजकीय बहुतकनीकी संस्थान लिसाना में आयोजित इस वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में 41 स्कूलों और कॉलेजों के कैडेट्स ने भाग लिया। छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फायरिंग, वॉलीबॉल, टग-ऑफ-वॉर, 100 मीटर और 200 मीटर दौड़, पेंटिंग, रंगोली और कविता पाठ में गोल्ड मेडल तथा ड्रिल प्रतिस्पर्धा और स्लोगन लेखन में सिल्वर मेडल प्राप्त किए। मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि फायरिंग में निशा प्रथम रही, नीशू को कंपनी सीनियर के लिए गोल्ड मेडल मिला। 100 मीटर दौड़ में प्रिया, 200 मीटर दौड़ में आरती, वॉलीबॉल में भूमिका, तमन्ना, आरती, प्रिया और नीलाक्षी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कविता पाठ में प्रियंका और पेंटिंग में प्रिया प्रथम रहीं। ड्रिल प्रतियोगिता में अन्नू, नीशू, ज्योति, अन्नू, तन्नू, तमन्ना, प्रिया, आरती, प्रियंका, परी, प्रिया, ममता, टीना और कौशल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। स्लोगन लेखन में हीना तथा पेंटिंग में नीशू को भी दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्राचार्य दलबीर सिंह तथा प्राध्यापक सुरेंद्र कुमार पूनिया ने विजेता कैडेट्स को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय की एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉक्टर कविता को भी कर्तव्य से बढ़कर दी गई सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

झज्जर। विजेता कैडेट्स महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ। फोटो :हरिभूमि

न्यूज डायरी

समिति ने बुपनिया में बांटे तुलसी के पौधे

बहादुरगढ़। गांव बुपनिया के समंद मंदिर में संत रामकुमार के सानिध्य में श्रद्धालुओं को तुलसी के पौधे वितरित किए गए। ब्रह्म सेवा समिति अध्यक्ष दिनेश, बजरंग वाहिनी प्रांत प्रमुख मनोज दूहन, मंदिर समिति अध्यक्ष निप्पू प्रधान, संजय कुमार, मनजीत पूनिया व अन्य के साथ खेल क्रीड़ा करने वाले बालक और कई श्रद्धालु भी इस तुलसी पौधा वितरण में शामिल रहे। बुपानिया निवासी संजय कुमार ने तुलसी पौधे के महत्व और औषधीय लाभों के बारे में बताया।

लिंगानुपात में हुआ सुधार, जून माह में पहुंचा 934

झज्जर। सोमवार को डीसी स्वप्लिन रविंद्र पाटिल ने जिला टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता करते बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। लिंगानुपात में सुधार के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल से मिशन मोड में कार्य करें। कार्यवाहक सीएमओ डॉक्टर टीएस बागड़ी ने बैठक में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि केंद्रीय पंजीकरण सेवा पोर्टल पर दर्ज आकड़ों के अनुसार जिला झज्जर का लिंगानुपात जून माह में सुधरकर 934 पर पहुंच गया है जो पिछले दस वर्षों में बेहतर है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष में अभी तक विभाग द्वारा चार पीएनडीटी रेड की गई हैं, इनमें से तीन उत्तर प्रदेश में की है। दो एमटीपी रेड की गई और एक ऑनलाइन एमटीपी किट बेचने वाली फर्म पर केस दर्ज कराया गया है।

कबड्डी में तीसरे नंबर पर रहा रणबीर सिंह स्कूल

बहादुरगढ़। रणबीर सिंह मॉडल स्कूल दरियापुर के छात्रों ने शिक्षा के साथ ही खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन दोहराया है। सीबीएसई क्लस्टर कबड्डी चैम्पियनशिप के अंडर-17 बॉयज वर्ग में विद्यालय की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। रणबीर सिंह मॉडल स्कूल की टीम शानदार की बदौलत सेमीफाइनल तक पहुंची और तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। विद्यालय प्रबंधन व प्रधानाचार्य ने सभी खिलाड़ियों और उनकी कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही इसका श्रेय खिलाड़ियों के साथ ही स्कूल की पीटीआई अंजलि को दिया।

एलए स्कूल में फर्स्ट लाइन में बैठकर पढ़ रहे विद्यार्थी

झज्जर। एलए स्कूल में अब कोई विद्यार्थी बैक बेंचर नहीं रहेगा। सभी स्टूडेंट फर्स्ट लाइन में बैठकर शिक्षा ग्रहण करेंगे। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि उनके संस्थान ने सभी विद्यार्थियों को एक लाइन में बैठाकर शिक्षा देने का निर्णय लिया है। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया ने बताया की वह चाहते हैं कि विद्यार्थियों के अंदर किसी प्रकार की हिचकिचाहट ना रहे। भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा ने बताया कि विद्यालय ने यह कदम विद्यार्थियों को समान रूप से शिक्षा प्रदान कराने के उद्देश्य से उठाया है। सोमवार को सभी विद्यार्थियों को फर्स्ट लाइन में बैठा कर कक्षाएं लगाई गईं।

ब्रह्माकुमारियों ने मुकुंदपुर में मनाया रक्षाबंधन

बहादुरगढ़। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा मुकुंदपुर गांव में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इसमें सरपंच सुमित छिकारा समेत अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया। ब्रह्मकुमारियों ने उन्हें आत्मिक तिलक लगाकर पवित्रता की राखी बांधी और परमपिता परमात्मा का शांति का संदेश दिया। बीके सुमन दीदी ने रक्षाबंधन का महत्व बताते हुए कहा कि मस्तक पर तिलक लगाना आत्मिक स्मृति का प्रतीक है। यह हमें आत्मा के स्वरूप की याद दिलाता है। कलाई पर राखी बांधना पवित्रता का प्रतीक है। मुख मीठा करना अर्थात सदा मुख से मीठे वचन बोलने का संदेश देता है। परमपिता परमात्मा आकर हमें राजयोग की शिक्षा देते हैं। हमें दुनियादारी के सभी कर्म करते हुए परमपिता परमात्मा को जरूर याद करना चाहिए। मेडिटेशन आज की जिंदगी की जरूरत है।

भाजपा-कांग्रेस ने नहीं किया एससी वर्ग का भला

बहादुरगढ़। इनेलो एससी सैल की जिलास्तरीय बैठक सोमवार को बहादुरगढ़ स्थित इनेलो कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता इनेलो एससी सैल के जिलाध्यक्ष मास्टर सुखबीर सरोहा ने की। एससी सैल के प्रदेश प्रभारी वेद सिंह मुंडे मुख्य अतिथि व प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर पहलवान विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक में एससी सैल की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी ने सभी से आह्वान किया कि लोगों को संगठन से जोड़ें। इनेलो ने हमेशा ही एससी समाज की भलाई के लिए नीतियां बनाई और लागू की। वेदप्रकाश मुंडे ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस ने अनुसूचित समाज के हित पर कभी ध्यान नहीं दिया। सरकार ने साढ़े चार हजार स्कूलों को बंद कर गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित किया है, जिसका सबसे अधिक असर अनुसूचित जाति के बच्चों पर पड़ेगा। रामेश्वर पहलवान ने कहा कि सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ विधानसभा से लेकर सड़कों पर केवल इनेलो ही विरोध कर रही है। सरकार द्वारा लाखों परिवारों के पीले राशन कार्ड रद्द कर उन्हें कई सरकारी योजनाओं से वंचित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। मंच संचालन जिला शहरी अध्यक्ष रामनिवास सैनी ने किया। बैठक को भूपेंद नफे सिंह राठी, रामेश्वर बिरधाना, दीपचंद कुतानी, जोगेंद्र ग्रेवाल, धर्मबीर दरोगा, ईश्वर सिंह, पूर्व सरपंच मास्टर दिलीप सिंह, शहरी प्रधान पूर्व पार्षद शशि कुमार, रण सिंह तूर, प्रदीप तंवर आदि ने भी संबोधित किया।

NOTICE

I, Seema Devi S/D/W/O Raj Kumar R/o Ward No. 27, Sant Colony Bahadurgarh, Distt. Jhajjar declare that I have lost my property documents of BBA of Flat No. 92 FF (G+3) and also Builder buy agreement of my Flat No. 92 First Floor, Situated at Omaxe North Avenue 2, Omaxe City, Sector 15 Bahadurgarh.

खबर संक्षेप

बेरी। कार्यक्रम के दौरान चश्मे प्रदान करते हुए एसएमओ डॉक्टर शिल्पा।

दूबलधन सीएचसी में बुजुर्गों को निः शुल्क चश्में किए वितरित

बेरी। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुरू किए गए उज्ज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दूबलधन में निशुल्क कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को आंखों की देखभाल के लिए चश्में वितरित किए गए। एसएमओ डॉक्टर शिल्पा ने बताया कि अभियान उज्ज्वल दृष्टि हरियाणा का उद्देश्य लोगों को अंधत्व मुक्त बनाना है। राष्ट्रीय अंधत्व एवं दृष्टि दोष नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में दृष्टि दोष की पहचान कर उन्हें निशुल्क चश्मे वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोग अभियान के तहत लगने वाले कैंपों में अपनी आंखों को चेक करवाएं ताकि बीमारी पता लगते ही इलाज शुरू किया जा सके।

जजपा ने सुर्खपुर में चलाया सदस्यता अभियान

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रजनी दहिया एवं अन्य।

झज्जर। सोमवार को क्षेत्र के गांव सुर्खपुर में जन नायक जनता पार्टी की महिला प्रदेशाध्यक्ष रजनी दहिया ने जजपा सदस्यता अभियान को लेकर दौरा किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रजनी दहिया ने कहा कि जजपा गांव गांव घर घर जाकर अपने सदस्यता अभियान को आमजन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा की जन नायक जनता पार्टी ने हमेशा गरीब, मजदूर किसान, व्यापारी सभी वर्गों का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि जजपा हरियाणा की जनता के हितों के लिए लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार प्रदेश की समस्याओं को उठाकर सरकार के सामने रख रही है। उन्होंने सरकार पर लापरवाही का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अफसरशाही हावी है, जिससे लोगों की सुनवाई नहीं हो रही। इस दौरान महिला जिलाध्यक्ष शीला गोदारा, कमलेश गोदारा, मुकेश, शीला देवी, मूर्ति, दीपिका, पूजा, सुमन देवी, गुड्डी सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

अवैध कॉलोनी में कौन डाल रहा सीवर लाइन

पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने अधिकारियों से की भूमाफियाओं पर कार्रवाई की मांग

■ बोले- भू-माफियाओं की सूची सीएम के साथ ही उच्च अधिकारियों को देंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कसार और सराय गांव के बीच से गुजर रहा हशविप्रा के मेन रोड पर अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनी को लेकर पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि इसमें सत्तापक्ष से जुड़े कुछ नेता शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अवैध कॉलोनी में सीवर लाइन कैसे डाली जा रही है?

पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने बताया कि एक तरफ नायब सरकार भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त रवैया अपना रही है। जबकि कुछ स्थानीय नेता सत्तापक्ष की आड़ लेकर अवैध कॉलोनी काटने में व्यस्त हैं। उन्होंने अवैध रूप से आबाद की जा रही कॉलोनी में सीवर लाइन डालने पर भी हैरानी जताई। सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार में अवैध तरीके से कॉलोनी काटने की अनुमति किसी को नहीं दी जानी चाहिए। वे जल्द इन भू-माफियाओं की सूची मुख्यमंत्री के साथ ही उच्च अधिकारियों को देंगे। उन्होंने आमजन से भी अवैध कॉलोनी में कोई भी प्लॉट नहीं खरीदने की अपील की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस अवैध प्लॉटिंग पर रोक लगाने तथा आरोपियों पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की।

बहादुरगढ़। अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनी में रखे सीवर लाइन के पाइप।

ठेकेदार ने परनाला में उखाड़कर छोड़ी सड़क, लोगों में रोष

बहादुरगढ़। गांव हसनपुर परनाला से आधुनिक औद्योगिक संपदा (एमआईई) को जोड़ने वाली सड़क को पब्लिक हैल्थ के ठेकेदार ने उखाड़कर छोड़ दिया है। करीब दो महीने से निर्माण नहीं हो रहा। जिस कारण ग्रामीणों के साथ हजारों श्रमिक भी प्रतिदिन परेशान होते हैं।सरपंच एसोसिएशन बहादुरगढ़ के प्रधान अशोक राठी ने बताया कि इसी सड़क पर प्राचीन शिव मंदिर भी है और सावन माह के दौरान भारी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु यहां आते हैं। उन्हें भी इस उखड़ी हुई सड़क के कारण काफी परेशानी हो रही है। ठेकेदार ने सड़क को उखाड़कर छोड़ दिया है, लेकिन निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है। इस वजह से सड़क में गड्ढे हो गए है। बारिश में कीचड़ हो रहा है और परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई बार लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। हालांकि अधर में लटके काम को लेकर अफसर और ठेकेदार एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। ग्रामीण नरेंद्र, प्रीतम, नवीन, सतपाल, अनुज सैनी व राजेश आदि ने ठेकेदार का भुगतान रोकने, अफसरों पर कार्रवाई करने और सड़क को ठीक करवाने की मांग की है।

प्रीपेड स्मार्ट बिजली मीटर योजना के विरोध में प्रदर्शन, नारेबाजी

झज्जर। विरोध प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन कार्यकर्ता एवं समर्थक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों ने सोमवार को भगत सिंह चौक पर प्रदेश सरकार की प्रीपेड स्मार्ट मीटर योजना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी और बिजली उपभोक्ता मंच के संयोजक रामकिशन ने बताया कि बिजली निगम को निजी हाथों में देने के लिए ही बिजली के प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। ये मीटर बहुत तेज गति से चलते हैं। इन्हें मोबाइल फोन की तरह पहले रिचार्ज करना पड़ता है। पैसे खत्म होते ही बिजली सप्लाई अपने बंद हो जाएगी। इनकी कीमत भी 25 से 30 हजार रुपये तक है जो बिजली उपभोक्ताओं से किस्तों में वसूली जाएगी। जिला कमेटी सदस्य सतबीर सिंह तथा ओमबीर सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार ने पिछले महीने ही फिक्स चार्ज लगाकर तथा बिजली के रेट बढ़ाकर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं की कमर तोड़ दी है। जिसके चलते आमजन का सरकार के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। इस दौरान बलवान, राज, प्रह्लाद, सतीश, विजय, जयवीर, जयभगवान व अन्य मौजूद रहे।

साल्हावास की ढाणी में जलभराव के कारण ग्रामीणों को परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बरसात के कारण जिले के गांवों में जलभराव की समस्या आ रही है। क्षेत्र के गांव साल्हावास की ढाणी में जोहड़ ओवरफ्लो होने के कारण बरसाती पानी सड़कों पर जमा है। जलभराव के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी आ रही है। ढाणी निवासी जगदीश, ब्रिजपाल, किशन, राधा, कुलदीप, चंद्रभान, कृष्ण आदि ने बताया कि उनके गांव का श्याम बाबा जोहड़ पिछले दिनों आई बरसात से लबालब भर गया। अब ओवरफ्लो होने के कारण जोहड़ का पानी गांव के मुख्य रास्ते में जमा हो रहा है जिस कारण राहगीरों को आने-जाने में परेशानी आ रही है।

ऐसे में जहां स्कूली बच्चों के कपड़े खराब हो जाते हैं वहीं बड़े बुजुर्गों को भी रास्ता पार करने में परेशानी आती है। लगातार जलभराव के कारण बीमारी संक्रमण का खतरा भी बना है। वे अपनी इस समस्या से सरपंच को भी अवगत करा चुके हैं लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हो पाया। उन्होंने समस्या के जल्द समाधान को लेकर जिला प्रशासन से गुहार लगाई है।

झज्जर। मुख्य रास्ते में हुए जलभराव से निकलते वाहन एवं राहगीर।

कभी तेज धूप तो कभी हुई बरसात

बहादुरगढ़। सोमवार को इलाके में मौसम बार-बार बदलता रहा। कभी तेज धूप निकली तो कभी बरसात हुई। अधिकतम तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया। दरअसल, सोमवार की सुबह ठंडी हवा चल रही थी। करीब आठ बजे बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुछ मिनट बूंदाबांदी के बाद मौसम खुल गया और तेज धूप खिल आई।

इसके बाद दोपहर तक कभी आसमान में बादल छाते तो कभी धूप निकल आती। चार बजे के बाद फिर आसमान में छाए और कुछ देर तक बरसात हुइ। देर शाम तक आसमान में घने बादल छाए हुए थे। तेज बरसात के आसार बने हुए थे। आगामी चंद दिनों तक इलाके में बरसात की संभावना है।

बरसात से मौसम गुलजार...

झज्जर। हल्की बारिश के बीच गुजरते हुए वाहन।

झज्जर। सोमवार को भी दिनभर मौसम का मिजाज बदलता रहा। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे, कभी शहरी और कभी बाहरी क्षेत्रों में एकाएक तेज बारिश होती रही। जिसके कारण मौसम सुहाना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे है। उधर, कुछ देर की बारिश के बाद भी शहर के अंबेडकर चौक व अन्य स्थानों पर हुए जलभराव के कारण राहगीरों व वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं दुकानदार भी जलभराव होने के बाद अपने घरों की ओर रवाना हो गए।

पालिका रोल पर लगे सफाई कर्मचारियों को मिला दस माह से रुका तेल और साबुन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार को पालिका रोल पर लगे नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों में पिछले दस माह से रुके हुए तेल व साबुन का वितरण किया गया। नगर परिषद सफाई कर्मचारी यूनियन के इकाई प्रधान शिवम चावरिया की अध्यक्षता आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत इकाई सचिव विकास उज्जैनवाल व कोषाध्यक्ष गौरव द्वारा कर्मचारियों में साबुन व तेल का वितरण किया गया।

गौरव ने बताया कि सफाई कर्मचारी को प्रति माह एक लीटर सरसों का तेल व साबुन की चार टिक्की साफ-सफाई के लिए दी जाती है। पिछले दस माह से उनका तेल व साबुन रुका हुआ था। अब सभी कर्मचारियों को दस लीटर सरसों का तेल व साबुन की चालीस टिक्कियां वितरित की गई। इस वितरण के बाद कर्मचारियों को राहत मिली है। उन्होंने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

झज्जर। कर्मचारियों में साबुन व तेल का वितरण करते हुए विकास उज्जैनवाल।

विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने बनाए मॉडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सैनिक पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी तथा एसयूपीडब्ल्यू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें तीसरी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। बच्चों ने एलीफैंट टूथपेस्ट, हायड्रोलिफ्ट, स्टेशनरी वेव्स, ट्सला कोइल, एलेक्ट्रोलिप्सिस, प्रोजेक्टिकल लांचर, ब्लड सर्कुलेशन, फंडामेंटल राइट्स, पार्लियामेंट हाउस, टेंसीग्रिटी, किडनी डायलिसिस तथा ग्रीन हाउस इफेक्ट समेत अलग-अलग तरह के मॉडल बनाए। तीसरी कक्षा से हर्ष, चौथी से निशा, पांचवीं से शुभम तथा मनन ने प्रथम स्थान हासिल किया। छठी कक्षा से यशिका व चारवी, सातवीं से अवनि व आयुषी तथा आठवीं से हितेश ने प्रथम स्थान पाया। नौवीं से ऋतुराज और पार्थ, दसवीं से श्रेयश व शमीम, 11वीं से संजना और श्रुति तथा बारहवीं से नितिशा व माधवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य बीएल भारद्वाज ने बताया कि बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और उनका विज्ञान के प्रति आकर्षण बढ़ाने के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

बहादुरगढ़। प्रदर्शनी में बनाए मॉडल दिखाते विद्यार्थी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

सरकार की जनकल्याण नीतियों को जन जन तक पहुंचाना प्राथमिकता : गिरोत्रा

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नवनियुक्त मनोनीत पार्षद कमल गिरोत्रा व समाज के लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

केंद्र व प्रदेश सरकार सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। प्रदेश में सीएम नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में विभिन्न जनकल्याणकारी नीतियों को चलाया जा रहा है। केंद्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याण नीतियों को आमजन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

सम्मान समारोह

यह बात नवनियुक्त मनोनीत पार्षद कमल गिरोत्रा ने शहर के पंचायती गुरूद्वारा में आयोजित सम्मान समारोह में समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सीएम नायब सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि का आभार जताते हुए कहा कि सरकार ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। वहीं उन्होंने पंजाबी समाज का भी आभार जताते हुए कहा कि यह मेरे लिए प्रसन्नता की घड़ी है कि पूरा समाज मेरे साथ खड़ा है। इस दौरान समाजसेवी विनीत पोपली ने प्रबुद्धजनों के साथ कमल गिरोत्रा का पुष्पमाला और पटका पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्ण चंद सुनेजा, हंसराज गिरोत्रा, कृष्णलाल शर्मा, राजेंद्र गिरोत्रा, रमेश वडी, तरुण गोंसाई, गुलशन शर्मा, अंकुर खुराना, अशोक गेरा, अशोक जुनेजा, वासुदेव भूटानी, राजू वड़ी, हर्ष डोगरा, तरुण परूथी, प्रेम पोपली, जितेंद्र तनेजा, हरबंस पोपली,आशीष चावला, नीरज पोपली सहित काफी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

65 देशों में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय चूरमा दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राजनेताओं, खिलाड़ियों व गायकों ने सराहा

दुनिया के 65 देशों में दूसरा अंतरराष्ट्रीय चूरमा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इसे लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद धर्मबीर सिंह, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, विधायक कृष्ण लाल मिड्डा, विधायक अर्जुन चौटाला, पूर्व विधायक बलराज कुंडू, राजस्थान से सांसद हनुमान बेनीवाल, दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, यूपी से सांसद हरेंद्र सिंह मलिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान आदि ने इस आयोजन को लेकर शुभकामनाएं दीं। काउंसलर रोहित अहलावत ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय चूरमा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य हमारे पारंपरिक खानपान, खासकर ग्रामीण भारत के विशिष्ट व्यंजनों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाना है। इस आयोजन ने प्रवासी भारतीयों को अपनी जड़ों से जोड़ा और विदेशी नागरिकों को भी भारतीय व्यंजनों की विविधता से रूबरू कराया।

अनिल बेनीवाल जुगलान ने बताया कि कार्यक्रम में एशिया, अफ्रीका, यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से जुड़े हरियाणा मूल के लोग शामिल होने से यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय बन गया। दिल्ली पुलिस अधिकारी सागरप्रीत हुड्डा, सीआरपीएफ के डीआईजी कोमल सिंह, पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा, पूर्व मंत्री जेपी दलाल, सीएम के ओएसडी वीरेंद्र बडखालसा, गजेंद्र फोगाट, गायक खासा आला चाहर, बिंदर दनोदा और पर्वतारोही अनिता कूंडू ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल होकर अपने विचार रखे।

घायलों के मुफ्त इलाज को लेकर की बैठक

बहादुरगढ़। सड़क दुर्घटनाओं मे घायलों के अस्पताल में आने पर आयुष्मान स्कीम के तहत अस्पतालों में डेढ़ लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करने बारे सोमवार को नगारिक अस्पताल में बैठक हुई। जिसमें आयुष्मान स्कीम के तहत पंजीकृत अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम-1988 की धारा 162 के तहत मोटर वाहनों के उपयोग में होने वाली दुर्घटनाओं के पीड़ितों के उपचार के लिए यह योजना शुरू की गई है। प्रत्येक दुर्घटना ग्रस्त नागरिक आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत डेढ़ लाख रुपए तक कैशलेस इलाज का हकदार है। दुर्घटना में ग्रस्त पीड़ित के अस्पताल में आने पर पुलिस को जानकारी दी जाए।